तू मंदिर में बंद और मैं घर में बंद | Bijender Chauhan

तू मंदिर में बंद और मैं घर में बंद
बोल कन्हैया बोल कटेगा कैसे अब ये फंद

किसी से ना सुना हमने नहीं किसी और ने देखा
अचानक दहल गया सब कुछ खींची है नई लक्ष्मण रेखा
कैसे जीतेंगे कान्हा जीवन का ये द्वन्द
बोल कन्हैया बोल कटेगा कैसे अब ये फंद
तू मंदिर में बंद .....

समझ में कुछ नहीं आता अक्ल भी काम ना करती
कि कल क्या होगा ना जाने सोच के रूह भी डरती
काम धंधो कि रफ़्तार हो गई अब तो मंद
बोल कन्हैया बोल कटेगा कैसे अब ये फंद
तू मंदिर में बंद .....

धीरज छूट रहा अब तो प्रभु आके सम्भालो ना
करो कृपा हे सांवरिया हमें दुःख से निकालो ना
जन्मो पुराना है मोहित अपना ये सम्बन्ध
बोल कन्हैया बोल कटेगा कैसे अब ये फंद
तू मंदिर में बंद .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%ac%e0%a4%82%e0%a4%a6-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%98%e0%a4%b0-%e0%a4%ae/